अध्याय एक

मातृ-वंदना

पाठ परिचय (About the poem)

प्रस्तुत कविता में कवि सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' ने बलिदान तथा मातृ-प्रेम की भावना की सशक्त शब्दों में व्याख्या की है।

नर-जीवन के स्वार्थ सकल
बलि हों तेरे चरणों पर माँ,
मेरे श्रम-संचित सब फल।

जीवन के रथ पर चढ़कर
सदा मृत्यु-पथ पर बढ़कर,
महाकाल के खरतर शर सह
सकूँ, मुझे तू कर दृढ़तर;
जागे मेरे उर में तेरी
मूर्ति अश्रु-जल-धौत विमल
दृग-जल से पा बल, बलि कर दूँ
जननि! जन्म-श्रम-संचित फल।

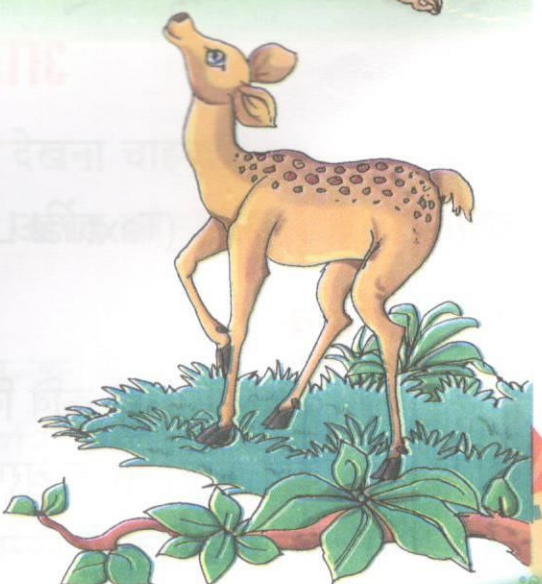

बाधाएँ आएँ तन पर
देखूँ तुझे नयन मन भर,
मुझे देख तू सजल दृगों से
अपलक, उर के शतदल पर;
क्लेद-युक्त, अपना तन दूँगा,

मुक्त करूँगा तुझे अटल,
तेरे चरणों पर देकर बलि
सकल श्रेय-श्रम-संचित फल।

–श्री सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला'

कवि का सामान्य परिचय

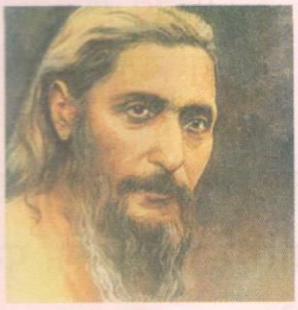

सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' का जन्म 1896 में बसंत पंचमी के दिन हुआ था। निराला जी के कहानी-संग्रह 'लिली' में उनकी जन्मतिथि 21 फरवरी, 1899 प्रकाशित है। 'निराला' जी की औपचारिक शिक्षा हाईस्कूल तक हुई। तदुपरांत हिंदी, संस्कृत तथा बांग्ला का अध्ययन उन्होंने स्वयं किया। 'निराला' जी ने कई महत्वपूर्ण ग्रंथों का हिंदी में अनुवाद भी किया। 'निराला' जी का हिंदी साहित्य में विशेष स्थान है। 15 अक्टूबर, 1971 में इन्होंने अपने प्राण त्याग इस संसार से विदा ली।

शब्दार्थ (Word Meanings)

स्वार्थ	-	अपना उद्देश्य, अपना लाभ	सकल	-	समस्त
बलि	-	कुर्बानी	श्रम-संचित	-	परिश्रम से एकत्र किए हुए
महाकाल	-	अनंत काल	खरतर	-	तेज
शर	-	बाण, तीर	उर	-	वक्षस्थल, हृदय
क्लेद-युक्त	-	पसीने से भीगा हुआ	श्रेय	-	यश, श्रेष्ठ
अपलक	-	स्थिर	शतदल	-	कमल

आइए, अभ्यास करें
(Let's Do Exercise)

कविता की बात (Textual Literacy)

1. मौखिक (Oral)

(क) बाधाओं में भी कवि किसे याद रखना चाहता है?
(ख) कवि भारत माँ के चरणों में क्या अर्पित करना चाहता है?
(ग) प्रस्तुत कविता में किसके लिए वंदना की गई है?

2. सही विकल्प पर सही (✔) का निशान लगाइए- (MCQ's)

(क) मातृ-वंदना के रचयिता कौन हैं?

जयशंकर प्रसाद	☐	सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला'	☐
द्वारिका प्रसाद माहेश्वरी	☐	श्याम सुंदर दास	☐

(ख) 'नर' शब्द का पर्यायवाची क्या है?

पुष्प	☐	मनुष्य	☐
माता	☐	वानर	☐

(ग) भारत माँ को स्वतंत्र कराने के लिए कौन सब कुछ न्यौछावर करने को तैयार है?

कवि	☐	बच्चे	☐
अँग्रेज़	☐	पशु-पक्षी	☐

3. कविता की पंक्तियाँ पूरी कीजिए-

(क) जीवन के _____
_____ पर बढ़कर,

(ख) दृग-जल _____
_____ फल।

(ग) तेरे चरणों _____
_____ संचित फल।

4. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए-

(क) कवि भारत माँ की किस प्रकार की छवि हृदय में देखना चाहता है?

(ख) कवि अपने जीवन के श्रम-संचित फल को किसे अर्पित करना चाहता है?

(ग) निम्न पंक्तियों की व्याख्या कीजिए-

(i) बाधाएँ आएँ तन पर
देखूँ तुझे नयन मन भर,

(ii) दृग-जल से पा बल, बलि कर दूँ
जननि! जन्म-श्रम-संचित फल।

(घ) निराला जी मातृभूमि के लिए क्या करना चाहते हैं?

मूल्याधारित प्रश्न (VBQ's)

- मातृ-वंदना तथा बलिदान की भावना की सशक्त शब्दों में किसने व्याख्या की है?

भाषा की बात (Language)

1. निम्नलिखित मुहावरों के अर्थ लिखकर वाक्य-प्रयोग कीजिए-

(क) आग में घी डालना _____

(ख) आग-बबूला होना _____

(ग) मुँह में पानी आना _____

2. निम्नलिखित शब्दों के दो अर्थों में अलग-अलग वाक्य बनाइए-

(क) बलि
- भगतसिंह ने देश के लिए प्राणों की बलि दे दी।
- प्राचीन काल में बलि नामक राजा राज्य करते थे।

(ख) मन
- _____
- _____

(ग) जीवन
- _____
- _____

3. शुद्ध शब्द छाँटकर खाली स्थान में लिखिए-

चढ़	चढ	चढ़	पडा	पड़ा	_____
बड़ा	बडा	_____	थोड़ा	थोडा	_____
ड़लिया	डलिया	_____	पंड़ित	पंडित	_____
बूढा	बूढ़ा	_____	दृढ़	दृढ	_____

4. दिए गए शब्दों के सही पर्यायवाची शब्द पर सही (✔) का निशान लगाइए-

(क) पुष्प

पराग	☐	प्रभात	☐	कुसुम	☐

(ख) पथ

मार्ग	☐	प्रमाण	☐	प्रदर्शन	☐

क्रियात्मक कौशल
Activity Skill

- कक्षा को दो समूहों में बाँटकर कविता पर आधारित अंत्याक्षरी का खेल खेलिए।
- 'निराला' जी की अन्य कोई देश-प्रेम पर आधारित कविता लिखिए।

अध्यापक-संकेत (Teacher's Note)

अध्यापक कविता को कक्षा में पढ़कर बच्चों को सुनाएँ और पूछें कि इसमें किसकी वंदना की गई है। उन्हें कविता कंठस्थ करने के लिए भी प्रेरित करें।

अध्याय दो

ज्योतिषी घोड़ा

पाठ परिचय (About the chapter)

प्रस्तुत पाठ में पशु-पक्षियों के व्यवहार से प्राकृतिक आपदा के आने के संकेत के विषय में जानकारी प्रदान की गई है।

बहुत समय पहले हरिपुर नगर में चक्रधर नाम का एक व्यक्ति रहता था। वह एक प्रसिद्ध ज्योतिषी था। उसकी बताई हुई बातें अक्सर सच हो जाती थीं, इसलिए दूर-दूर तक लोग उसे जानने लगे। धीरे-धीरे चक्रधर को यह घमंड हो गया कि उसके समान नक्षत्रों को पढ़कर भविष्य बताने वाला कोई है ही नहीं।

एक बार चक्रधर अपने गाँव गया। फसल की कटाई का समय था। फसल कटवाने और उसकी देखभाल के लिए चक्रधर को कुछ समय गाँव में ही रुकना पड़ा। एक दिन उसका पड़ोसी रामलुभाया उसके पास आया। वह पाँव में खराबी के कारण चल-फिर नहीं सकता था। वह अपने घोड़े पर ही बैठकर इधर-उधर घूमता था।

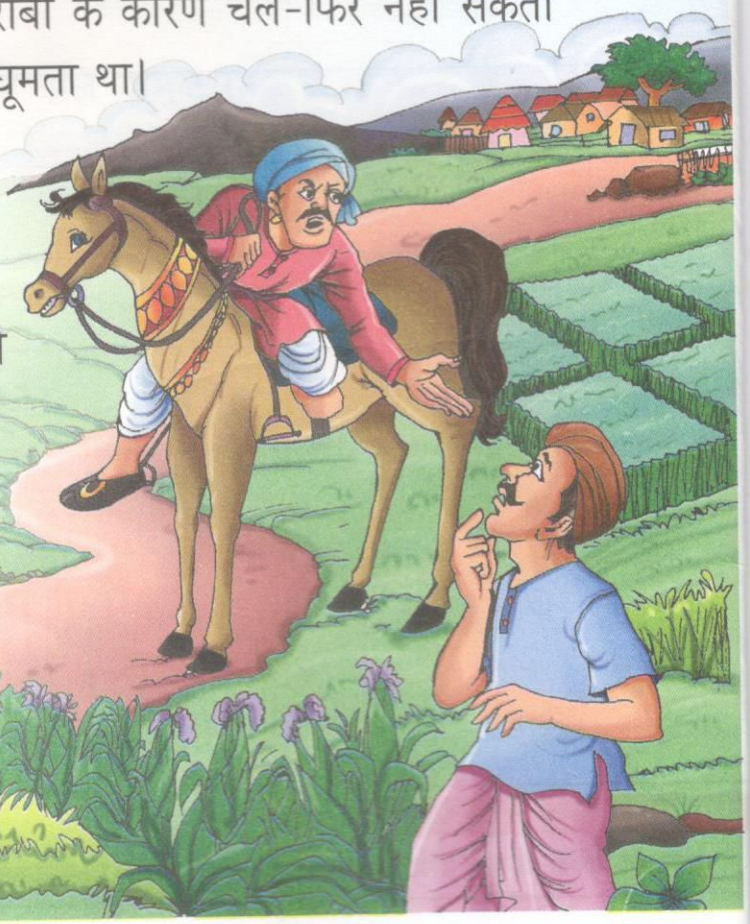

मक्का की फसल अभी-अभी कटी थी। उसने चक्रधर से कहा, "देखो भाई, कुछ ही घंटों में मौसम खराब होने वाला है। तेज़ आँधी-तूफान आने की संभावना है, तुम अपनी फसल किसी सुरक्षित स्थान पर पहुँचा दो।"

चक्रधर ने आकाश की ओर दृष्टि उठाई और फिर हँसकर कहने लगा, "कैसी अजीब बात करते हो तुम। आकाश में न तो बादल का एक भी टुकड़ा है और हवा के नाम पर पत्ता तक नहीं हिल रहा। आँधी-तूफान तो दूर की बात है।"

रामलुभाया अपनी बात पर अड़ा रहा। वह बोला, "मैं तो तुम्हारे भले के लिए ही कह रहा था। मेरी बात एकदम सच्ची है। तुम मानो या ना मानो।"

चक्रधर ने अपनी दूरबीन से आकाश को निहारा। कुछ क्षण सोचता रहा जैसे कुछ गणना कर रहा हो, फिर निष्कर्ष निकालता हुआ बोला, "असंभव, जो तुम कह रहे हो, मेरी सोच से यह संभव ही नहीं है।"

दोनों में काफ़ी देर तक बहस होती रही। रामलुभाया को लगा कि चक्रधर उसकी बात मानने वाला नहीं है, तो वह वहाँ से चला गया।

थोड़ी देर बाद ही आकाश में बादल छा गए और हवा चलने लगी। देखते ही देखते भयानक तूफान, आँधी और तेज बारिश होने लगी। बारिश इतनी तेज़ थी कि गाँव के पास नदी में तूफान आ गया और पानी किनारों को तोड़कर बहने लगा। बारिश और बाढ़ से चक्रधर की सारी फसल बह गई।

चक्रधर सिर पकड़कर बैठ गया। उसे एक ही बात परेशान कर रही थी कि रामलुभाया को यह सब कैसे पता चला। उसके मन में तो यह बात घर किए हुए थी कि उससे अच्छी और सही भविष्यवाणी कोई कर ही नहीं सकता।

जैसे ही मौसम ठीक हुआ वह रामलुभाया के पास गया। उसने पूछा, रामलुभाया, मैं हैरान हूँ कि तुम्हें यह सब कैसे पता चला। रामलुभाया ने सहज भाव से उत्तर दिया, "इसमें आश्चर्य की कोई बात नहीं है। यह सब तो मुझे अपने घोड़े की हरकतों से ही पता चल जाता है।"

"क्या? घोड़े की हरकतों से!" चक्रधर को विश्वास न हुआ।

"हाँ भई, जब भी आँधी-तूफान आने वाला होता है, मेरा घोड़ा अपनी पीठ अकड़ा लेता है और पूँछ को पिछली टाँगों में दुबका लेता है। इसके रोंगटे खड़े हो जाते हैं और यह ऐसे काँपने लगता है जैसे इसे तेज़ बुखार चढ़ गया हो। इसके इसी व्यवहार से मुझे

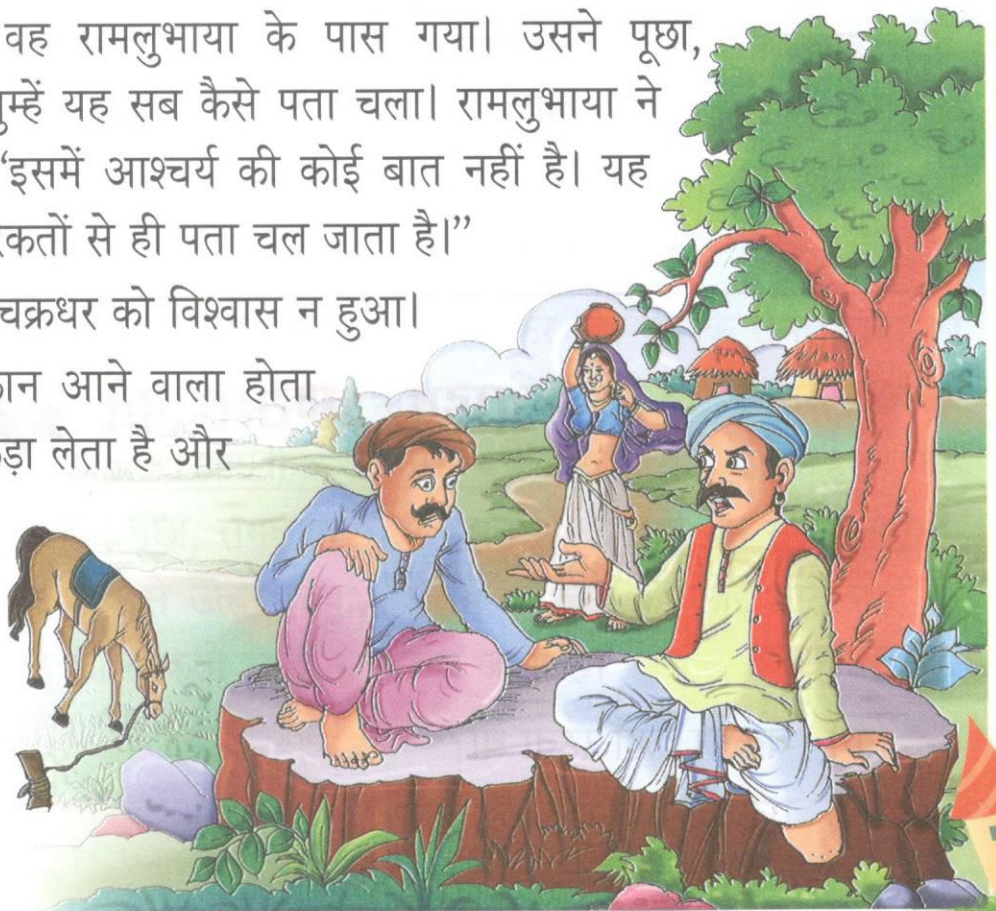

पता चल गया और मैं तुम्हें सावधान करने चला आया। तुम तो वैसे भी इतने बड़े ज्योतिष विद्या के जानकार हो, तुम्हें तो इस बात पर चकित नहीं होना चाहिए," रामलुभाया ने कहा।

चक्रधर बुत बना खड़ा था। रामलुभाया फिर कहने लगा, "भई, इसमें इतना हैरान होने की बात नहीं है। तुम्हीं बताओ कि मुर्गा हमें कैसे सही-सही बता देता है कि भोर हो गई है? समुद्र में आने वाले तूफान की सूचना डॉल्फिन मछलियाँ कैसे पानी पर कूद-कूदकर जहाज़ियों को देती हैं? पता है पशु-पक्षियों की एक छठी इंद्रिय होती है जिससे उन्हें आने वाले खतरे का आभास हो जाता है तभी तो समुद्री पक्षी तूफान आने से पहले अपने अंडे देने का स्थान छोड़कर चले जाते हैं। यहाँ तक कि हाथी और कुत्तों को भी भूचाल और समुद्री तूफान का आभास हो जाता है तो क्या मेरा घोड़ा मौसम के बारे में नहीं जान सकता।

चक्रधर चुपचाप सुनता रहा। मन-ही-मन यह मान गया कि रामलुभाया का घोड़ा उससे अच्छा ज्योतिषी है।

शब्दार्थ (Word Meanings)

ज्योतिषी	-	ज्योतिष विद्या को जानने वाला	चकित	-	हैरान
आकाश	-	आसमान	निहारना	-	ध्यान से देखना
दृष्टि	-	आँख	अड़ा रहा	-	डटा रहा
गणना	-	गिनना	विश्वास	-	भरोसा
भोर	-	सवेरा	इंद्रिय	-	शरीर का अंग

आइए, अभ्यास करें
(Let's Do Exercise)

पाठ की बात (Textual Literacy)

1. मौखिक (Oral)

(क) चक्रधर कहाँ रहता था?

(ख) एक बार चक्रधर कहाँ गया?

(ग) चक्रधर ने किससे आकाश को निहारा?

(घ) समुद्र में आने वाले तूफान की सूचना कौन देता है?

2. सही विकल्प पर सही (✔) का निशान लगाइए- (MCQ's)

(क) चक्रधर कौन था?

वैज्ञानिक	☐	ज्योतिषी	☐
वकील	☐	अध्यापक	☐

(ख) चक्रधर को तूफान आने की सूचना किसने दी?

रामलुभाया ने	☐	गाँव वालों ने	☐
घोड़े ने	☐	रामू ने	☐

(ग) आकाश में क्या छा गए?

पक्षी	☐	धुआँ	☐
बादल	☐	पतंग	☐

(घ) हरिपुर नगर में कौन रहता था?

रामलुभाया	☐	घोड़ा	☐
राघव	☐	चक्रधर	☐

3. गद्यांश पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए-

चक्रधर सिर पकड़कर बैठ गया। उसे एक ही बात परेशान कर रही थी कि रामलुभाया को यह सब कैसे पता चला। उसके मन में तो यह बात घर किए हुए थी कि उससे अच्छी और सही भविष्यवाणी कोई कर ही नहीं सकता। जैसे ही मौसम ठीक हुआ वह रामलुभाया के पास गया। उसने पूछा, रामलुभाया, मैं हैरान हूँ कि तुम्हें यह सब कैसे पता चला। रामलुभाया ने सहज भाव से उत्तर दिया, "इसमें आश्चर्य की कोई बात नहीं है। यह सब तो मुझे अपने घोड़े की हरकतों से ही पता चल जाता है।"

(क) चक्रधर कैसे बैठ गया?

_____

(ख) चक्रधर को क्या बात परेशान कर रही थी?

(ग) रामलुभाया को मौसम के बारे में कैसे पता चला?

(घ) चक्रधर रामलुभाया के पास कब गया?

4. उचित शब्द लिखकर रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए-

अच्छी *मन-ही-मन* *फसल* *सही* *नदी* *बहस*

(क) तुम अपनी _____ किसी सुरक्षित स्थान पर पहुँचा दो।

(ख) दोनों में काफी देर तक _____ होती रही।

(ग) उससे _____ और _____ भविष्यवाणी कोई कर ही नहीं सकता।

(घ) _____ चक्रधर मान गया।

(ङ) गाँव के पास _____ में तूफान आ गया।

5. किसने कहा?

(क) कुछ ही घंटों में मौसम खराब होने वाला है। _____

(ख) हवा के नाम पर एक पत्ता भी नहीं हिल रहा। _____

(ग) तुम्हें यह सब कैसे पता चला? _____

(घ) तुम्हें तो इस बात पर चकित नहीं होना चाहिए। _____

(ङ) क्या? घोड़ों की हरकतों से! _____

6. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए-

(क) रामलुभाया चल-फिर क्यों नहीं सकता था?

(ख) चक्रधर और रामलुभाया में किस बात को लेकर बहस हो रही थी?

(ग) रामलुभाया को घोड़े की किन बातों से मौसम खराब होने के बारे में पता चला?

(घ) पाठ में आए पशु-पक्षियों के नाम बताइए जो प्राकृतिक घटना की पूर्व सूचना दे देते हैं?

मूल्याधारित प्रश्न (VBQ's)

(क) चक्रधर को किस बात पर घमंड था?

(ख) चक्रधर भविष्य कैसे बताता था?

भाषा की बात (Language)

1. निम्नलिखित वाक्यों में रंगीन शब्दों के अनेकार्थी शब्द लिखिए-

(क) पाँच अंक की संख्या बताओ। _____

(ख) माँ ने बच्चे को शयन कक्ष में सुला दिया। _____

(ग) राम ने आज आम खरीदे। _____

(घ) श्रवण कुमार पिता के लिए जल लेने गया। _____

2. विशेषण तथा विशेष्य के जोड़े बनाकर लिखिए-

	विशेषण	विशेष्य
तेज़	_____	_____
भयानक	_____	_____
ख़राब	_____	_____
प्रसिद्ध	_____	_____

मौसम ज्योतिषी बारिश तूफान

3. शब्दकोश के वर्णक्रम के अनुसार शब्दों को लिखिए-

नगर नकदी पूछताछ बुलवाया दीवार हिसाब
कारनामा युवक बयान मुताबिक पुलिस बुलाकर

_____ _____ _____ _____

_____ _____ _____ _____

_____ _____ _____ _____

4. निम्नलिखित शब्दों के आगे उनके लिंग लिखिए-

गाँव _____ ख्याति _____

मूर्ति	_____	फसल	_____
कष्ट	_____	किसान	_____

क्रियात्मक कौशल
Activity Skill

- वर्ग-पहेली में से विलोम शब्दों के जोड़े छाँटकर लिखिए–

_____
_____
_____
_____
_____

रा	अ	च	छा	प
त	क	ल	का	त
गो	रा	बु	ला	ला
मो	फ	रा	आ	ज
टा	थ	न	दि	न

_____
_____
_____
_____
_____

- कक्षा में अपने मित्रों के साथ चर्चा कीजिए कि क्या ऐसा संभव है कि पशु-पक्षियों को भी प्राकृतिक आपदा का आभास होता है।

अध्यापक-संकेत (Teacher's Note)

अध्यापक बच्चों को बताएँ कि पशु-पक्षी भी अपने व्यवहार से प्राकृतिक आपदा के आने का संकेत देते हैं।